मुख्यमंत्री ने निभाया भाई का फर्ज

छाया : उमेश ठाकुर

मुख्यमंत्री ने कल्पना को पति के इलाज हेतु मदद का भरोसा दिया

"बहन ... जब तुम्हारा भैया ही मुख्यमंत्री है, तो फिर परेशानी किस बात की।" ये प्रदेश के मुख्यमंत्री और निर्धन महिला के बीच हुए मार्मिक और स्नेहित संवाद के वो शब्द थे, जिन्होंने पति के किडनी के इलाज के लिए दर-दर भटक रही द्वारका नगर वार्ड लालमाटी निवासी कल्पना चौकसे को न सिर्फ हौंसला और सम्बल दिया बल्कि उसके तमाम दु:ख-दर्द दूर होने का भरोसा भी दिया।

दरअसल ये वाकया है मुख्यमंत्री के 14 जुलाई के जबलपुर भ्रमण का, जब मुख्यमंत्री राँझी में 14 करोड़ की लागत से जलशोधन संयंत्र के पंपिंग स्टेशनों के पुनरुद्धार तथा रॉ-वाटर पाइप लाइनों के भूमि पूजन समारोह में मंचासीन थे। पीड़ितों और जरूरतमंदों के मददगार मुख्यमंत्री की पारखी नजरों ने परेशानहाल महिला की पीड़ा को दूर से ही भाँप लिया और उसे सीधे मंच में बुलाया, थोड़ी देर तक तो कल्पना को यकीन ही नहीं हुआ कि मुख्यमंत्री स्वयं उसे ही बुला रहे हैं। सभा स्थल में मौजूद सबकी निगाहें अचानक आम से खास हो चुकी कल्पना पर ठहर गईं, जिसे उसके मुख्यमंत्री भैया ने पुकारा था।

मंच में पहुँचकर रूंधे गले से कल्पना चौकसे ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बताया कि उसके पति शालिगराम चौकसे की दोनों किडनी खराब हो गई हैं, विपन्नता की वजह से समुचित इलाज नहीं हो पा रहा है। इस पर संवेदनशील मुख्यमंत्री ने कहा- "बहना हिम्मत रखो ... परेशानी कैसी, जब तुम्हारा भैया मुख्यमंत्री है, तो चिन्ता किस बात की। किडनी के इलाज के लिए तुम्हें दो लाख रुपये मिलेंगे। ज्यादा पैसे लगेंगे, तो वो भी मिलेगा। पति का ठीक से इलाज कराओ, मैं भी उनके शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना करूँगा।"

मुख्यमंत्री की इस सहृदयता के सभी कायल हो गये। मुख्यमंत्री जो कहते हैं, वह करते भी हैं, तभी तो अभी-अभी पीड़ितों की सेवा और गरीबों की आँखों के आँसू पोंछने की बात उन्होंने अपने भाषण में कहा और अभी एक पीड़ित महिला की मदद भी कर दी।

मुख्यमंत्री से मदद का भरोसा पाकर कल्पना चौकसे को अपने पति के स्वस्थ होने की उम्मीदों के चिराग रोशन हो उठे और भाव-विभोर कल्पना चौकसे ने कहा- "मुख्यमंत्री इतने सहज और सरल हैं, मुझे अब यकीन हो गया है। उसने कहा संकट की इस घड़ी में सरकारी मदद मिलने से मैं बेहद खुश हूँ। कलेक्टर साहब ने भी मुझसे कहा है कि आपको जल्दी ही पैसा दिलायेंगे।

प्रस्तुति : मनोज कुमार श्रीवास्तव